This question paper contains 4+2 printed pages]

2601

Second Year Arts EXAMINATION, 2017

RAJASTHANI SAHITYA

Paper I

(गद्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर ***पचास*** *शब्दों से अधिक न हो ।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

प्रत्येक इकाई से ***एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***250*** *शब्दों से अधिक न हो ।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'स' [Marks : **30**]

कोई ***दो*** *प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***300*** *शब्दों से अधिक न हो ।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई I

(*i*) 'गांवां में गांव सुहावणौ' का प्रथम अध्यास कौनसा है ?

(*ii*) 'गांवां में गांव सुहावणौ' पुस्तक में लेखक ने राजस्थान के कौनसे अंचल का चित्र प्रस्तुत किया है ?

इकाई II

(*iii*) सुन्दरसी कौन था ?

(*iv*) नैणसी पर महाराजा ने कितने रुपयों का जुर्माना लगाया था ?

इकाई III

(*v*) राजस्थानी भाषा का पहला उपन्यास कौनसा है ?

(*vi*) कनक और सुंदर में महिला पात्र कौन है ?

इकाई IV

(*vii*) राजस्थानी के पहले उपन्यासकार का नाम लिखिए ।

(viii) राजस्थानी भाषा के **एक** सामाजिक उपन्यास का नाम लिखिए ।

इकाई V

(ix) राजस्थानी भाषा के **एक** कहानी-संग्रह का नाम लिखिए ।

(x) राजस्थानी भाषा के **एक** नाटक का नाम लिखिए ।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. 'गांवां में गांव सुहावणौ' कृति के आधार पर लेखक की शैली स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

3. 'गांवां में गांव सुहावणौ' में गोविन्द सिंह राठौड़ ने पश्चिमी राजस्थान का जीवन्त चित्र खींचने का प्रयास किया है । स्पष्ट कीजिए ।

इकाई II

4. 'नैणसी रो साको' का कथानक स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

5. 'नैणसी रो साको' के आधार पर तत्कालीन राजस्थान की परिस्थितियों का वर्णन कीजिए ।

इकाई III

6. 'कनक सुंदर' उपन्यास की भाषा-शैली को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

7. ''कनक सुंदर' मारवाड़ी जीवन का आख्यान है ।'' स्पष्ट कीजिए ।

इकाई IV

8. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मारवाड़ी भाई पैसा कमाणे मांहे घणा हूंशार छे और उषकी कमाई मांहे लक्ष्य भी पूरो छे, उशा पैसा का रक्षक भी पूरा छे ''चमड़ी जावो पण दमड़ी मत जावों ।'' परन्तु अफसोस ! जिण तरहे आपकी अंगरखी का एक खीसा माहे सू पैसा निकालकर दूजा खीसा मांहे घाल लेणा, दूण तरहे की कमाई कर जाणे छे. आपस का आपस मांहे डांवपेंच खेलकर एक भाई का पैसा दूजो भाई छीन लेसी ।

अथवा

9. ..... दीवाणगिरी में आप ई आप रै लोगां ने ऊंचै-ऊंचै ओहदां पर थरप्या । अर धनहरण कर कै परजा नै भूखी कर दीनी । यो कसूर देखो ! पण राजा तो हुकम देणो जाणै, राज चलाणो राजा नै कौनीं आवै । राज तो दीवाण ई चलावै ।

इकाई V

10. राजस्थानी उपन्यास की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

11. राजस्थानी नाटक की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड 'स'

इकाई I

12. 'गांवां में गांव सुहावणौ' के कथ्य एवं शिल्प को स्पष्ट कीजिए ।

इकाई II

13. 'नैणसी रो साको' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

इकाई III

14. 'कनक-सुंदर' उपन्यास एक आदर्शवादी उपन्यास है । स्पष्ट कीजिए ।

इकाई IV

15. आधुनिक राजस्थानी गद्य की विकास यात्रा को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।